प्रकाशनार्थ

पटना, 04 सितंबर। हम डेटा-संचालित दुनिया में रहते हैं और डेटा नया ईंधन है जो आजकल सरकार के लिए नीतियां बनाने की कुंजी है। प्रमुख संकेतकों के डेटा कई प्रकार से प्रदर्शित किए जाते हैं। इन डेटा को इंटरैक्टिव डैशबोर्ड के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। यह विचार आइआइटी, पटना के डा. मयंक अग्रवाल ने "नीति निर्माण में डेटा डैशबोर्ड के लाभ" शीर्षक व्याख्यान में व्यक्त किए। यह व्याख्यान आज एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीच्यूट (आद्री) द्वारा आयोजित किया गया था।

डैशबोर्ड की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए डा. अग्रवाल ने कहा कि डैशबोर्ड उपयोगकर्ताओं को केंद्रीकृत और आसानी से समझने योग्य प्रारूप में जानकारी प्रदान करता है। इससे लोगों को सूचना का विश्लेषण और निगरानी करने में आसानी होती है।

डा. अग्रवाल ने बताया कि कोई भी व्यक्ति डैशबोर्ड के माध्यम से वास्तविक समय के आधार पर जटिल जानकारी को आसानी से समझ सकता है। यह चार्ट, ग्राफ, टेबल और अन्य दृश्य माध्यमों का उपयोग करके दृश्य-प्रारूप में डेटा को तुरंत देखने की सुविधा प्रदान करता है। यह वास्तव में रुझानों का अनुपालन करने और किसी भी मुद्दे पर गहरी अंतर्दृष्टि विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है। यह नीति-निर्माण में एक महत्वपूर्ण कारक है। डेटा डैशबोर्ड एक ही केंद्रीकृत स्थान पर कई स्रोतों से सूचना को समेकित करता है। उन्होंने डेटा डैशबोर्ड के विभिन्न प्रारूपों पर चर्चा की। डा. अग्रवाल ने यह भी कहा कि डेटा सुरक्षित करने के मुख्य पहलुओं पर हमें सावधान रहने की आवश्यकता है।

आद्री की सदस्य-सचिव डा. अस्मिता गुप्ता ने सत्र की अध्यक्षता की। प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत रूप से और साथ ही ऑनलाइन मोड में भी चर्चा में भाग लिया।

(अंजनी कुमार वर्मा)